भारतीय
प्रौद्योगिकी
संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय

IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)

Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)

अमर उजाला
दिनांक – 29.07.2025

भोजन में हानिकारक एंटीबायोटिक का पता लगाएगा आईआईटी बीएचयू का सेंसर

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के वैज्ञानिकों ने एक ऐसा सेंसर विकसित किया है जो कि भोजन में एंटीबायोटिक एनरोफ्लॉक्सासिन का तुरंत पता लगा सकता है। यह एक अत्याधुनिक ड्यूल-मोड सेंसर है।

इससे इंसानों के साथ ही पशुओं में संक्रमण के इलाज में बड़ी मदद मिलेगी। एनरोफ्लॉक्सासिन के अधिक उपयोग से मानव शरीर में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस (एएमआर) की समस्या बढ़ रही है। इससे संक्रमण का इलाज मुश्किल हो जाता है। हालांकि एंटीमाइक्रोबियल बैक्टीरिया और फफूंद जैसे सूक्ष्मजीवों को मारती है, लेकिन भोजन मुख्य तौर पर दूध और मांस में इसके अवशेषों की मात्रा बढ़ रही है जिससे यह खतरा ज्यादा होता है। स्वास्थ्य संगठन ने भी इस समस्या को गंभीर बताया है।

ये तकनीक संस्थान के स्कूल ऑफ बायो केमिकल के प्रो.

मानव शरीर में एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस की समस्या की होगी त्वरित पहचान

प्रांजल चंद्रा के नेतृत्व में शोध छात्र सुप्रतिम महापात्र, अंकुर सिंह और रतुल पॉल की टीम ने विकसित किया है। यह शोध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल स्मॉल में प्रकाशित हुआ है और इसका पेटेंट भी दायर किया गया है।

पोर्टेबल होने के साथ ही काफी सस्ती होगी जांच :

प्रो. चंद्रा ने बताया कि परंपरागत तौर पर जांच की विधा महंगी होती है और इसमें काफी लगता है। वहीं इस सेंसर से जांच सस्ती होती है और कम समय में पूरी हो जाती है। यह पोर्टेबल भी है जिसे कहीं भी आसानी से ले जाया जा सकता है। इसमें थोड़े से नमूने (161 फैदम) से ही जांच कर एनरोफ्लॉक्सासिन का पता लगाया जा सकता है। ब्यूरो